[श्री ओंकार सिंह]

की सुरक्षा के लिये और शांति कायम रखने के लिये भी यह अत्यावश्यक है कि हम एटम बम बनायें। चीन उसको बना चुका है। हम इसी भरोसे पर बैठे रहें कि जब आवश्यकता होगी तो शायद अमरीका या रूस हमको एटम बम दे देगा तो मैं समझता हूं कि हमारी यह आशा पूरी नहीं होगी। मैं तो . . .

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य कल जारी रखें।

17.01 hrs.

CALLING ATTENTION TO A MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—*contd.*

(ii) CRASH OF AN IAF PLANE NEAR GAUHATI

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न विषय की ओर सुरक्षा मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

> "असम में बोरझार के हवाई अड्डे पर 22 फरवरी, 1966 को भारतीय वायुसेना के एक विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना जिसके फलस्वरूप दस व्यक्तियों की मृत्यु होना"

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): I regret to inform the House that at approximately 15 30 hours on 22nd February, 1966 a Toofani aircraft engaged in a training exercise crashed near Gauhati airfield. The aircraft struck an aerial and crashed killing the pilot, Flying Officer J. S. Sidhu. The aircraft hit some huts and appeared to have caught fire on impact.

According to information available, several huts on the periphery of the airfield caught fire and a building belonging to the Assam Flying Club was badly damaged. The number of civilian casualties so far amount to eighteen. The details are as follows:—

Killed—8 (7 adults and 1 child).

Injured—10.

All those injured were given immediate medical aid by the Air Force and removed to the Gauhati Civil Hospital.

A Court of Inquiry with a senior officer of the Air Force as the Presiding Officer has already been convened to investigate the accident.

श्री मधु लिमये : यह प्रश्न तो असैनिक उड्डयन मंत्री से भी सम्बन्ध रखता है। श्री संजीव रेड्डी साहब तो हैं नहीं सदन में। कुछ प्रश्न तो सुरक्षा मंत्री के बारे में हैं लेकिन कुछ प्रश्न संजीव रेड्डी साहब के बारे में हैं।

इन दिनों में लग रहा है कि जाड़े के दिनों में, दिसम्बर से फरवरी तक दुर्घटनायें अधिक होती हैं। इन दुर्घटनाओं के बारे और अब की बार जो दुर्घटना हुई है उसको ले कर मेरा सवाल यह है कि विमान चलाने वाले जो लोग हैं उनको जो प्रशिक्षण दिया जाता है, उस में कोई कमी है या विमान में आधुनिक विद्युत चालित सामान रहता है यानी माडर्न इलैक्ट्रोनिक इक्विपमेंट का अभाव है या हवाई अड्डों के इंतजाम में खराबी है? किन कारणों को ले कर दुर्घटनाओं का अनुपात इन दिनों में बढ़ रहा है?

Shri Y. B. Chavan: As far as the question of accidents in the Air Force are concerned, as the House is aware, we had appointed a very high-powered committee to go into the causes of these accidents, and a very careful and studied report was produced by that committee. I had given some summary of that report to this House also. All these matters have been gone into there. If necessary, the hon. Member can go into it; if he wants, I can certainly supply that summary to him.

As far as this particular incident is concerned, it is very difficult for me to say exactly what the cause of the accident was, because a court of

inquiry has been convened, and we shall have to wait till their report comes.

Shri Warior (Trichur): But the Government took some steps on the enquiry report.

Shri Y. B. Chavan: We have certainly. A summary of the report, which I had submitted to the hon. House, gave the reasons for accidents and the recommendations of the committee. Steps have been taken about them.

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) : क्या, अभी तक कोई प्राथमिक पूछताछ मंत्री महोदय ने की है और अगर की है तो क्या ऐसा कुछ पता चला है कि विमान चालक ने उस विमान को चलाने के पहले ज्यादा काम किया था और वह कुछ ओवर वर्क्ड हो गया था ?

Shri Y. B. Chavan: It is difficult for me to accept the suggestion of the hon. Member, because the pilot belonged to a certain squadron and that squadron was doing certain exercises. Before this accident, he was only about 25-60 minutes in the air in the same plane because he came from some other place to this particular place. So I have no information or evidence to show that he was overworked as such.

Shri Linga Reddy (Chikballapur): May I know whether the alleged indiscipline among airmen is responsible for this air crash?

Shri Y. B. Chavan: I do not think so.

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): All modern airports nowadays are equipped with guided control instrument landing sets with the help of which an approaching aircraft could be safe-landed. May I know whether this Borjhar airport was equipped with that instrument? If not, do Government propose to instal such sets in all important airports?

Shri Y. B. Chavan: In this particular case, there was no question of landing; there was, really speaking, no contact between the aircraft and civil control. They were doing some sort of exercise, the details of which I cannot disclose at the present moment. So there was no question of it being deprived of certain aid by reason of the airport not having certain equipment. I am saying this from available information. I think it is rather difficult to go into details at this stage, because investigation is going on.

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : जब से नई सरकार बनी है और प्रधान मंत्री ने शपथ ग्रहण की है, विमान दुर्घटनायें पांच हुई हैं और 169 लोग मरे हैं । ट्रेन दुर्घटनायें तीन हुई हैं और 32 लोग मरे हैं । प्रधान मंत्री जब पहली बार भाषण देने गई थीं तो भीड़ में बारह व्यक्ति मर गये थे । पुलिस की गोली से छः व्यक्ति मरे हैं । इसका मतलब यह है कि यह सरकार अच्छे मुहूर्त में नहीं बनी है । इसलिए क्या प्रधान मंत्री अपने पद से त्यागपत्र देंगी ?

Mr. Deputy-Speaker: The question must relate to the accident.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मेरे प्रश्न का क्या हुआ है ।

श्री मधु लिमये : मुहूर्त के बारे में तो हवेली राम से पूछना पड़ेगा ।

श्री यापड़ी (हिसार) : कुछ कायदे होते हैं हवाई जहाज की उड़ान से पहले जिन की जांच पड़ताल जरूरी होती है और ऐसा कर चुकने के बाद ही उड़ान होती है । रक्षा मंत्री जी क्या यह बतलाने की कृपा करेंगे कि उड़ान के पहले वे तमाम कायदे कानूनों की जांच पड़ताल हो चुकी थी, हवाई जहाज की जांच पड़ताल कर ली गई थी ? अगर नहीं की गई थी तो इसका क्या कारण है ?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : जैसा मैंने कहा है उसको तो छानबीन होने वाली है और उसके पहले कुछ कहना मुश्किल है। मेरी प्रिजम्पशन यह है और मैं यह मान कर चलता हूं कि हवाई जहाज द्वारा उड़ान भरने से पहले पूरी तरह से सब उसकी सफाई वगैरह उन लोगों ने की होगी। लेकिन इसके बारे में मैं आज अपनी कोई राय देना मुनासिब नहीं समझता हूं।

श्री यशपाल सिंह (कैराना) : जर्मनी में कानून बनाया गया है कि अनमैरीड लोगों के हाथों में हवाई जहाज न दिये जायें। ये जो अनमैरीड नवयुवक हैं इनको नोक झोंक हमेशा एयर होस्टेसिस से चलती रहती है। इन अनमैरीड नवयुवकों का दिमाग कभी सन्तुलित नहीं रहता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस तरह का कानून यहां भी बनाने आप जा रहे हैं ?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : इस तरह का कानून बनाया तो एयर फोर्स के लिये बूढ़े लोगों को लेना पड़ेगा। यह तो मुश्किल है मेरे लिये।

श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) : मंत्री महोदय ने श्री मधु लिमये के प्रश्न के उत्तर में बतलाया कि एन्क्वायरी हुई थी लेकिन जो जांच हुई थी वह इस से पहले हुई थी। मैं जानना चाहूंगा कि क्या मौसम, चालकों की अकुशलता और आधुनिकतम विद्युत यंत्रों के अभाव के कारण पर भी इस जांच में विचार किया जायेगा ? अगर नहीं किया जायेगा तो क्यों नहीं, और मौजूदा स्थिति क्या है ?

Shri Y. B. Chavan: As far as I can understand the point raised, it is a very relevant and legitimate question, and the enquiry committee to which I made reference has gone into all these aspects, and certainly even this investigation, when it reaches its conclusions as to what should be o will certainly do so in the light those observations and recommen tions.

Shri A. P. Sharma (Buxar): Till the proceeding of the enquiry is completed, may I know if the families of the people who have died as a result of this accident will be paid compensation?

Shri Y. B. Chavan: Some sort of relief can be contemplated, but the compensation will possibly have to wait till the result of the investigation.

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : यह हवाई जहाज और उसके इंजिन कहां के बने हुए थे, और क्या मंत्री महोदय अब तक की जांच से पता लगा चुके हैं कि किस हद तक धातु का थक जाना और किस हद तक इन चालकों का जो सुरक्षा उपयुक्त समय है उस से ज्यादा हवाई जहाज को चलाना, इसके कारण हुए हैं ?

Shri Y. B. Chavan: The question that the hon. Member has raised is about the fatigue of the metal and the other points involved in it. It is normally taken into account when the question of maintenance of the aircraft is considered, and only those which are fit for service and flying are kept on the flying list. When we think of the serviceability of an aircraft, all these questions are gone into. As I said, I presume this particular aircraft must have been serviceable, otherwise they would not have allowed it. If it was not, certainly it would be disclosed in the investigation.

डा० राम मनोहर लोहिया : यह कहां का एंजिन था ?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : मैं ने कहा कि तूफानी है और बाहर का है।

डा० राम मनोहर लोहिया : किस देश है यह नाम नहीं बतलाया ?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : यू० के० का।

17 12 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on **Thursday**, *February* 24, 1966/*Phalguna* 5, 1887 (*Saka*).

GMGIPND—LS II—25(1 (ai) LS—2-4-66—97